मध्य प्रदेश को वन्यजीव पर्यटन के लिये मिला ‘सैंक्चुअरी एशिया अवॉर्ड’

चर्चा में क्यों?

6 दिसंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में मध्य प्रदेश टूरिज़्म बोर्ड को टॉफ टाइगर्स वाइल्डलाइफ टूरिज़्म अवॉर्ड्स में ‘सर्वश्रेष्ठ सतत् वन्यजीव पर्यटन राज्य’ (द बेस्ट सस्टेनेबल वाइल्डलाइफ टूरिज़्म स्टेट) के लिये ‘सैंक्चुअरी एशिया अवॉर्ड’ से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- मध्य प्रदेश को भारतीय उपमहाद्वीप में प्रकृति, पर्यटन, उद्योग, सतत् प्रथाओं और रिस्पॉन्सिबल टूरिज़्म में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये पुरस्कृत किया गया है। टूरिज़्म बोर्ड की ओर से यह पुरस्कार उप-संचालक युवराज पडोले ने ग्रहण किया।
- समारोह में मध्य प्रदेश पर्यटन द्वारा प्रदेश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों एवं उत्पादों पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। ऑडियो-विज़ुअल प्रेज़ेंटेशन के माध्यम से मध्य प्रदेश के विभिन्न ऐतिहासिक, प्राकृतिक, आध्यात्मिक, लोक एवं शिल्प कला एवं वन्यजीव पर्यटन पर आधारित जानकारी साझा की गई। अतुल्य भारत के दिल ‘मध्य प्रदेश’ को घूमने के लिये एक आकर्षक एवं आदर्श गंतव्य के रूप में चित्रित किया गया।
- प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज़्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्य प्रदेश देश का टाइगर स्टेट है और दुनिया से टाइगर्स को देखने के लिये पर्यटक यहाँ के राष्ट्रीय उद्यानों में पहुँचते हैं। प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिये वन्य क्षेत्रों के आस-पास ईको-फ्रेंडली होमस्टे, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यटकों में जागरूकता लाने जैसे विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं।
- विदित हो कि मध्य प्रदेश वन्यजीवों की दृष्टि से एक संपन्न राज्य है। 12 राष्ट्रीय उद्यानों और 24 वन्यजीव अभ्यारण्यों के साथ, विभिन्न पौधों, जानवरों और पक्षियों जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है।
- देश में सर्वाधिक टाइगर्स मध्य प्रदेश में होने के कारण ‘टाइगर स्टेट ऑफ इंडिया’ होने का गौरव प्राप्त है। मध्य प्रदेश में वर्तमान में 785 टाइगर हैं। इसके साथ ही प्रदेश को ‘लेपर्ड स्टेट’ और ‘घड़ियाल स्टेट’ का भी गौरव प्राप्त है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों के आगमन से प्रदेश को ‘चीता स्टेट’ के रूप में मान्यता मिली है।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-receives-sanctuary-asia-award-for-wildlife-tourism